हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

www.livehindustan.com

PAGE NO.: 7TOP LEFT

गांव-देहात के लोगों को एसआरएमएस की टेलीमेडिसिन बस से मिलेगी सहूलियत, ई-हेल्थ सेंटर पर आनलाइन देंगे परामर्श

घर बैठे होगी जांच, डॉक्टर ऑनलाइन लिखेंगे दवा

बरेली | वरिष्ठ संवाददाता

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने शनिवार को एसआरएमएस की मोबाइल टेलीमेडिसिन बस का उद्घाटन किया।

मोबाइल टेलीमेडिसिन बस व ई-हेल्थ सेंटर को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

एसआरएमएस की मोबाइल टेली मेडिसिन बस और टेली मेडिसिन ई-हेल्थ सेंटर से गांव-देहात के लोगों को बड़ी सहूलियत मिलेगी। अब गांवों में रहने वाले मरीजों को इलाज कराने के लिए अस्पताल नहीं जाना पड़ेगा। इससे न केवल उनका समय बचेगा, बल्कि इलाज में भी आसानी होगी। मोबाइल टेली मेडिसिन बस मरीजों के घर जाकर उनकी जांच करेगी और रिपोर्ट के आधार पर आगे का इलाज शुरू किया जाएगा।

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने शनिवार को एसआरएमएस में इसका उद्घाटन किया था। संस्थान के चेयरमैन देव मूर्ति ने बताया कि यह व्यवस्था ग्रामीण इलाकों में चिकित्सा सेवा में क्रांतिकारी कदम होगा। अब तक मरीजों को अस्पताल आना जरूरी था लेकिन मोबाइल टेलीमेडिसिन बस खुद उनके पास जाएगी। गांवों में जाकर वहां बीमार लोगों का चेकअप किया जाएगा। बस में कई चिकित्सकीय उपकरण हैं जिससे मौके पर ही मरीजों की जांच हो सकती है। एसआरएमएस ने भैरपुर गांव में टेलीमेडिसिन ई-हेल्थ सेंटर खोला है। यहां मरीजों की जांच करने के बाद आनलाइन विशेषज्ञ डाक्टर से उनकी बीमारी के बारे में परामर्श लिया जा सकेगा। इसकी खासियत है कि यहां से मरीज को विशेषज्ञ डाक्टरों का परामर्श बिना अस्पताल जाए मिल सकेगा। इससे मरीजों का समय और खर्च दोनों ही बचेगा। संस्थान के सचिव आदित्य मूर्ति का कहना है कि शहर में चिकित्सकीय सुविधा आसानी से मिल जाती है लेकिन देहात में ऐसा मुश्किल है। कई गांव ऐसे हैं जो अस्पताल से काफी दूर हैं। ऐसे में टेलीमेडिसिन ई-हेल्थ सेंटर के जरिये मरीजों का बिना अस्पताल आए इलाज होना संभव है। एसआरएमएस इस व्यवस्था को और बढ़ाने की योजना बना रहा है। आज टेक्नालाजी का दौर है। ऐसे में जहां अस्पताल नहीं हैं, जहां डाक्टरों की तैनाती नहीं है, वहां मोबाइल टेलीमेडिसिन बस किसी वरदान से कम नहीं है।